Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

मालवा फर्स्ट
MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा
नीमच, बुधवार
18 फरवरी 2026
वर्ष - 03, अंक - 42 - मूल्य 02 रूपए
पृष्ठ - 04
E-mail: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

प्रदेश में अब घर बैठे होगी दस्तावेजों की रजिस्ट्री

वीडियो KYC के माध्यम से होगा 75 तरह के दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन

भोपाल। प्रदेश में अब लीज डीड, लीज नवीनीकरण, पावर आफ अटार्नी, माइनिंग लीज, हलफनामा, साझेदारी डीड जैसे 75 तरह के दस्तावेजों का पंजीयन घर बैठे वीडियो केवाईसी के माध्यम से हो जाएगा।

राज्य सरकार ने संपदा-2.0 के अंतर्गत यह सुविधा प्रारंभ कर दी है। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल स्थित पंजीयन भवन में साइबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार विकास के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, शुचिता, तत्परता, नवाचार और जनकल्याण को प्रोत्साहन दे रही है। संपदा-1.0 और संपदा-2.0 के बाद प्रदेश में साइबर पंजीयन की प्रक्रिया का आरंभ होना तकनीक आधारित

सुशासन की नई शुरुआत है। मध्य प्रदेश तेजी से बदल रहा है। यह पहला राज्य है, जिसने 75 सेवाओं के लिए पंजीयन की सुविधा प्रारंभ की है। बता दें कि संपदा-2.0 में 141 तरह के दस्तावेजों के पंजीयन होते हैं। बाकी को भी चरणबद्ध तरीके से जोड़ने का प्रयास होगा। इसके पहले सरकार ने फेसलेस रजिस्ट्री की सुविधा प्रारंभ की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पूरे होंगे। नई व्यवस्था से धन और समय दोनों की बचत होगी। विभागीय अधिकारी साइबर पंजीयन सुविधा के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ मौजूदा वित्त वर्ष में अपने लक्ष्य पूरे करें। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि पंजीयन से जुड़े कार्यों को त्रुटिरहित पूरा करने के लिए प्रदेशभर के 14 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि संपदा 2.0 में अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है।साइबर पंजीयन में नागरिकों की पहचान आधार, पैन आधारित ई-केवाईसी सत्यापन प्रणाली से की जाती है। आधार आधारित मोबाइल एप से थंब व आइरिस का अथेंटिकेशन किया जाता है। इसी तरह से जमीन आदि के दस्तावेज भी लैंड रिकार्ड पोर्टल से ले लिए जाते हैं। जमीन को जियो टैगिंग व्यवस्था से जोड़ा गया है, जिससे कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार जमीन के मूल्य की जानकारी भी आ जाती है।

खाद्य विभाग द्वारा मनासा में 10 घरेलु गैस सिलेण्डर जप्त

नीमच (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनासा श्रीमती किरण आंजना के मार्गदर्शन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मनासा जितेन्द्र नागर द्वारा सोमवार को मनासा नगर क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण एवं अवैध व्यवसाय के विरुद्ध कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान दिलीप पिता रमेश कासट (माहेश्वरी), निवासी घांसपुरा गली, मनासा के निवास स्थान पर 10 नग घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का अवैध भंडारण पाया गया। उक्त सिलेंडर बिना वैध अनुमति एवं दस्तावेज के व्यवसायिक उद्देश्य से रखना पाया गया। मौके पर ही 10 नग घरेलू सिलेंडर जप्त कर, संबंधित दिलीप पिता रमेश कासट (माहेश्वरी), के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया हैं।

शहर में दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला से चैन स्नेचिंग की घटना, बदमाशों के हौंसले बुलंद

नीमच। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हो चुके हैं, इसका एक और ज्वलंत उदाहरण मंगलवार दोपहर को देखने को मिला। शहर के पॉश और व्यस्ततम इलाकों में शुमार कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जवाहर नगर में चेन छीनने की एक ऐसी सनसनीखेज वारदात सामने आई है । जिसने न केवल पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं, बल्कि आम नागरिकों के मन में भी गहरा खौफ पैदा कर दिया है। तीन बेखौफ बदमाशों ने दिन के उजाले में एक बुजुर्ग महिला को अपना निशाना बनाया और उनके गले से करीब दो तोले वजनी सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना मंगलवार दोपहर करीब 3:00 बजे की है। जवाहर नगर क्षेत्र की निवासी 64 वर्षीय बुजुर्ग महिला लीला देवी अपने घर से पैदल ही पास की गली में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के घर की ओर जा रही थीं। वह जैसे ही एक सुनसान मोड़ पर पहुंचीं, तभी पीछे से एक ही पल्सर बाइक पर सवार तीन युवक तेज रफ्तार में आए। पीड़िता लीला देवी के अनुसार, बाइक पर सवार युवकों ने पहले उनकी रेकी की और जैसे ही उन्होंने देखा कि गली में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं है, उन्होंने झपट्टा मार दिया। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने बड़ी ही बेरहमी और फुर्ती से महिला के गले पर हाथ मारा। इससे पहले कि महिला कुछ समझ पातीं या बचाव के लिए शोर मचा पातीं, बदमाशों ने चेन छीनने की इस वारदात को अंजाम दे दिया था। लुटेरे महिला के गले से लगभग दो तोला वजनी सोने की चेन खींचकर संकरी गलियों के रास्ते मुख्य मार्ग की ओर रफूचक्कर हो गए। अचानक हुई इस झपटमारी के कारण बुजुर्ग महिला अपना संतुलन खो बैठीं और सड़क पर गिर गईं। उनके गले पर भी खरोंच के गहरे निशान आए हैं। महिला के घबराहट भरे शोर को सुनकर आसपास के रहवासी और दुकानदार तुरंत घरों से बाहर निकल आए, लेकिन तब तक अपराधी आंखों से ओझल हो चुके थे।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई....

तीन मामलों में लगाया 2.38 लाख का जुर्माना

नीमच 16 फरवरी (निप्र)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के तीन अलग-अलग प्रकरणों में कुल 2 लाख 38 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। यह पूरी कार्रवाई मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। प्रकरण के अनुसार, ग्वालियरटोली निवासी वाहन मालिक लक्ष्मण पिता बंशीलाल ग्वाला द्वारा एम-सैंड का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना यानी 1500 रुपये अर्थदंड और 25 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 26,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह सगराना निवासी सुरेंद्र पिता मनोहर सिंह चौहान द्वारा मुरूम का अवैध उत्खनन करने पर उन पर 27 हजार रुपये रायल्टी का दंड और 27 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में कुल 54 हजार रुपये की शास्ति लगाई गई है। एक अन्य मामले में नीमच बस स्टैंड निवासी श्रीमती ललिता पाटीदार द्वारा मुरूम का अवैध उत्खनन किए जाने पर उन पर खनिज रायल्टी का 15 गुना यानी 78,750 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। उल्लेखनीय है कि खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन और परिवहन पाए जाने पर इन वाहनों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किए गए थे, जिस पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर ने यह कड़ी आर्थिक कार्रवाई की है।

मंदिरों में लगा भक्तों का तांता, बम-बम के जयकारों से गूंजे शिवालय

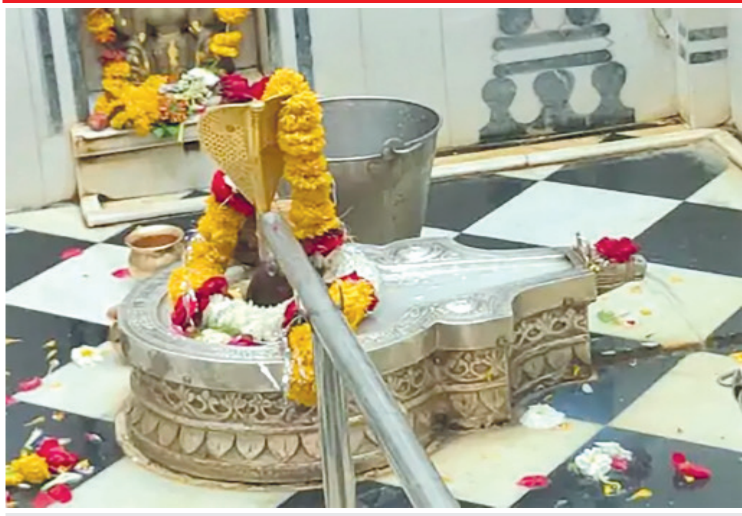

नीमच । प्रसिद्ध श्री किलेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया । इस महोत्सव में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी । हजारों की संख्या में भक्तों ने भोलेनाथ के दर्शनों का लाभ लिया । इस अवसर पर छप्पन भोग का भी वितरण किया गया ।

युवक ने गटका जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

परिजनों ने पहुँचाया शासकीय चिकित्सालय, जहर खाने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं

नीमच 16 फरवरी (निप्र)। जिले के मनासा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली मुंगड़ कॉलोनी में सोमवार को एक व्यक्ति द्वारा जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़ित को गंभीर अवस्था में परिजनों द्वारा मनासा के शासकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, मुंगड़ कॉलोनी निवासी मोइनुद्दीन (40), पिता मुस्तकीम खान ने अज्ञात कारणों के चलते किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जैसे ही युवक की तबीयत बिगड़ी और परिजनों को घटना का पता चला, घर में हड़कंप मच गया।

परिजन बिना देरी किए उसे लेकर तुरंत मनासा शासकीय चिकित्सालय पहुँचे। अस्पताल से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पीड़ित मोइनुद्दीन की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक उपचार (स्टेबलाइजेशन) शुरू कर दिया। इसके बाद उसे जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। फिलहाल युवक की हालत पर नजर रखी जा रही है।

वजह तलाशने में जुटी पुलिस - व्यक्ति ने ये घातक कदम किन परिस्थितियों में उठाया और जहर खाने के पीछे क्या कारण रहे, इसका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दे दी गई है। पुलिस अब परिजनों के बयान और मामले की जांच के आधार पर असल कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

जीरन कॉलेज में हुआ हंगामा, तालाबंदी

नीमच/जीरन, निप्र। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और छात्रों ने सोमवार को शासकीय महाविद्यालय जीरन में जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों ने कॉलेज के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर प्रभारी प्राचार्य दीपा कुमावत को तत्काल पद से हटाने की मांग की। हंगामे के चलते दिनभर शैक्षणिक कार्य पूरी तरह ठप रहा।

प्रभारी प्राचार्य को हटाने की मांग पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और छात्रों ने किया प्रदर्शन, शैक्षणिक कार्य ठप रहा

शनिवार की घटना से भड़का विवाद - जानकारी के अनुसार शनिवार को कॉलेज में एक जांच टीम की मौजूदगी में प्रभारी प्राचार्य दीपा कुमावत और एक अन्य प्राध्यापक के बीच तीखी बहस हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई की स्थिति बन गई। घटना का वीडियो और चर्चा नगर में तेजी से फैल गई, जिससे छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त हो गया।

नारेबाजी, पुलिस पहुंची मौके पर - सोमवार सुबह कॉलेज खुलते ही अभाविप कार्यकर्ता और छात्र मुख्य द्वार पर एकत्रित हो गए। उन्होंने जमकर नारेबाजी की और गेट पर तालाबंदी कर दी। स्थिति तनावपूर्ण होती देख जीरन पुलिस मौके पर पहुंची और हालात पर नजर रखी।

जांच का आश्वासन, प्रदर्शन समाप्त - मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने छात्रों को समझाइश दी और आश्वासन दिया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन के बाद छात्रों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

"शिक्षक ही मर्यादा भूले तो छात्र क्या सीखें"

प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने कहा कि जिस संस्थान में शिक्षक ही मर्यादा भूल जाएं, वहां छात्रों पर गलत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज का माहौल पहले से ही तनावपूर्ण है। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रभारी प्राचार्य को नहीं हटाया गया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

किसान को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

हादसा : मंडी से उपज बेचकर लौट रहा था गुणवंत आंजना, अस्पताल में तोड़ा दम

नीमच 16 फरवरी (निप्र)। जिले के कनावटी क्षेत्र में देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में किसान की मौत हो गई। किसान अपनी उपज बेचने के बाद मंडी से लौट रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान केसुंदा निवासी 44 वर्षीय गुणवंत पिता छगनलाल आंजना के रूप में हुई है। वह अपनी रायड़ा (सरसों) की फसल बेचने के लिए नई कृषि उपज मंडी चंगेरा,-डुंगलावदा नीमच आए थे। जानकारी के मुताबिक, गुणवंत रविवार देर रात करीब 11:30 बजे कनावटी स्थित सायाजी होटल पर भोजन करने के बाद मंडी की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान होटल के सामने से गुजरते समय एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल किसान को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

कैंट थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

शासकीय जमीन बेचकर 5.64 लाख की धोखाधड़ी पीड़ित बोला- न्याय मांगने गया, तो बनाया आरोपी

कर्मचारी ने आरोप को बताया बेबुनियाद

नीमच । शहर के हनुमान नगर निवासी विष्णु शर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में धोखाधड़ी का मामला उठाया है। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें सरकारी जमीन को निजी संपत्ति बताकर बेच दिया गया और उनसे 5 लाख 64 हजार रुपए ऐंठ लिए गए। इस मामले में जिला पंचायत के कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप - विष्णु शर्मा के अनुसार, अमृतलाल खारोल और उनके पिता ने एक भूखंड का सौदा किया और पूरी राशि ले ली। बाद में पता चला कि जिस जमीन का विक्रय पत्र (Sale Deed) निष्पादित किया गया, वह वास्तव में सरकारी भूमि थी।

आरोप है कि हीराबाई और रेखाबाई के नाम दर्ज निजी भूमि की आड़ में उससे लगी हुई बेशकीमती शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर यह षड्यंत्र रचा गया। पीड़ित ने जिला पंचायत कर्मचारी अमृतलाल खारोल और मुकेश पाटीदार को इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड बताया है।

पीड़ित बोला- न्याय मांगने गया, तो खुद बन गया आरोपी - शिकायतकर्ता ने अधिकारियों को बताया कि जब उसने इस धोखाधड़ी की रिपोर्ट पुलिस में करनी चाही, तो पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई करने के बजाय उल्टा उसके खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर ली। विष्णु शर्मा ने अब कलेक्टर और एसपी से मांग की है कि जमीन का सीमांकन कर सरकारी भूमि को मुक्त कराया जाए और उनके पैसे वापस दिलाए जाएं।

कर्मचारी ने कहा- मुझसे ही ऐंठ रहे अवैध पैसे - वहीं, जिला पंचायत कर्मचारी अमृतलाल खारोल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए अपना पक्ष रखा है। खारोल का कहना है कि उन्होंने खुद विष्णु शर्मा से 29 लाख रुपए में जमीन खरीदी थी और पूरी राशि का भुगतान कर चुके हैं।

उनका आरोप है कि अब विष्णु शर्मा उनसे 5 लाख रुपए और गवाह जितेंद्र परिहार 3.5 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं। खारोल के मुताबिक, वे खुद इन लोगों से परेशान हैं और इसकी शिकायत पहले ही दर्ज करा चुके हैं।

श्री किलेश्वर महादेव मंदिर पर शिवरात्रि पर लगा भक्तों का तांता

समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने सपत्नीक की पूजा-अर्चना, 101 क्विंटल महाप्रसादी का वितरण

नीमच। नीमच शहर में करीब 500 वर्ष पुराना चमत्कारी शिवलिंग श्री किलेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान है। जिनके दर्शन मात्र से ही भक्तों के कष्ट दूर होते हैं वहीं मनचाही मनोकामना पूरी होती है। रविवार को महाशिवरात्रि पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर श्री किलेश्वर महादेव के भी परम भक्त हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर समाज सेवी अशोक अरोरा "गंगानगर" उनकी धर्म पत्नी श्रीमती मनीता अरोरा के साथ श्री किलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और विशेष पूजा अर्चना की। अरोरा की धर्मपत्नी श्रीमती मनीता अरोरा भी धर्म प्रेमी स्वभाव के हैं। किसी भी धार्मिक कार्य में हमेशा आगे रहते हैं।धर्म -दान में भी हमेशा उदार भाव रखते हैं। महाशिवरात्रि पर युवा समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर की तरफ से श्री किलेश्वर महादेव मंदिर पर 101 क्विंटल फलियारी खिचडी का वितरण रखा गया। रविवार दोपहर करीब 12 बजे महाप्रसादी वितरण शुरू हुआ, जो देर रात तक चला।

भारत ने बिछाई बड़ी कूटनीतिक बिसात तो सौदेबाजी की मेज पर भागता हुआ आया अमेरिका

नीरज कुमार दुबे

जयशंकर की यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अमेरिका यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक खींचतान एक दूसरे में उलझ चुकी हैं। जयशंकर की यह यात्रा आपूर्ति शृंखला, दुर्लभ खनिज, रक्षा सहयोग और व्यापार समझौते पर नए संतुलन की तलाश है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो की पहल पर आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्री स्तरीय बैठक में जयशंकर की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आने वाले दशक की शक्ति राजनीति खनिज, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा के इर्द गिर्द घूमेगी।

इस यात्रा का पहला स्पष्ट लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करना है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब यह समझ चुकी हैं कि दुर्लभ खनिजों पर निर्भरता केवल आर्थिक विषय नहीं बल्कि सामरिक प्रश्न है। चीन जैसे प्रमुख आपूर्तिकताओं पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की मुहिम में भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। भारत की खनिज क्षमता, विशाल बाजार और तकनीकी मांग उसे इस खेल का केन्द्रीय खिलाड़ी बनाती है।

जयशंकर की यह यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और रूस से तेल खरीद पर दंडात्मक शुल्क ने संबंधों में कड़वाहट घोली। अब संकेत मिल रहे हैं कि वाशिंगटन नरमी दिखा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि रूस से तेल खरीद घटने पर अतिरिक्त शुल्क हटाने का रास्ता है। साथ ही वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करने की अनुमति का संदेश भी दिया गया है। यह सब केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर सौदेबाजी के पत्ते हैं।

दिलचस्प यह है कि इसी बीच भारत ने 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता पूरा कर लिया। इसने अमेरिका को यह संदेश दिया कि नई दिल्ली विकल्प तलाशने में सक्षम है। अटलांटिक परिषद से जुड़े विशेषज्ञ मार्क लिंस्काट का आकलन है कि भारत यूरोप समझौता अमेरिका भारत व्यापार वार्ता को तेज कर सकता है। साफ है कि वाशिंगटन भारत को खोना नहीं चाहता। वैसे भी भारत और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व की हालिया बातचीत और सार्वजनिक बयानों से यह आभास भी मजबूत हो रहा है कि दोनों देश लंबित व्यापार समझौते को अब अधिक देर तक टालना नहीं चाहते। पिछले महीनों में फोन पर हुई वाताओं, मंत्रिस्तरीय संपर्क और समान हितों पर दिए गए जोर से यह संकेत मिलते हैं कि माहौल को जानबूझकर सकारात्मक बनाया जा रहा है। ऐसे में जयशंकर की अमेरिका यात्रा को केवल खनिज या सामरिक चर्चा तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे संभावित व्यापार समझौते की राह साफ करने वाली पहल के रूप में भी समझा जा रहा है। कूटनीतिक गलियारों में यह धारणा बन रही है कि यदि इस यात्रा में मुख्य अड़चनों पर सहमति का रास्ता निकलता है तो यह आगे की औपचारिक वार्ता के लिए हरी झंडी जैसा होगा, जिसके बाद मोदी सरकार अंतिम राजनीतिक स्वीकृति देकर समझौते पर मुहर लगा सकती है।

यानी यह दौरा भविष्य के बड़े आर्थिक फैसले की भूमिका भी लिख सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि अपनी यात्रा से पहले जयशंकर ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके साथ अमेरिकी संसद के सदस्य जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ भी मौजूद रहे। बातचीत में व्यापार, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, हिंद प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष जैसे विषय शामिल रहे। यह केवल शिष्टाचार भेंट नहीं बल्कि जमीन तैयार करने वाली बातचीत थी। गोर ने भारत को अमेरिका का अहम भागीदार बताया और साझा सामरिक हितों पर जोर दिया। साथ ही अमेरिकी संसदीय दल की जनवरी में नई दिल्ली यात्रा भी रक्षा तकनीक सहयोग, सह उत्पादन और सह विकास पर केंद्रित रही। संदेश साफ है कि रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधों की रीढ़ बन सकता है।

अब इस पूरे घटनाक्रम को भारत के केंद्रीय बजट की घोषणाओं से जोड़कर देखिये। मोदी सरकार ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज संपन्न राज्यों में दुर्लभ खनिज गलियारे बनाने का प्रस्ताव रखा है। खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और निर्माण को बढ़ावा देने की योजना सीधे उसी दिशा में जाती है जिस पर अमेरिका और उसके सहयोगी काम कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर अभियान के लिए ये खनिज अनिवार्य हैं। बैटरी भंडारण के लिए लिथियम आयन कोश निर्माण, सौर कांच के लिए सोडियम एंटिमोनेट, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आयातित सामान पर मूल शुल्क छूट, मिश्रित सीएनजी पर उत्पाद शुल्क गणना से जैव गैस को बाहर रखना और बैटरी भंडारण परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर सहायता को पांच गुना बढ़ाना दिखाता है कि भारत ऊर्जा और प्रौद्योगिकी की नई दौड़ के लिए तैयारी कर रहा है। 2030 तक पांच सौ गीगावाट गैर जीवाश्म ऊर्जा और 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य भारत की नई सामरिक दिशा है। निजी भागीदारी खोलने वाला परमाणु ऊर्जा कानून भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

सच यह है कि दुनिया नए शीत युद्ध जैसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां गोलियों से ज्यादा खनिज, चिप और ऊर्जा की आपूर्ति शृंखला ताकत तय करेगी। जयशंकर की यात्रा को केवल कूटनीतिक दौरा समझना भूल होगी। यह भारत की बहुस्तरीय चाल है। एक ओर अमेरिका से तनाव घटाना, दूसरी ओर अपने हितों पर अडिग रहना, और साथ साथ यूरोप, रूस तथा अन्य साझेदारों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान नहीं। पर भारत अब रक्षात्मक नहीं, सौदेबाज की मुद्रा में दिख रहा है।

अमेरिका को भी समझना होगा कि शुल्क की लाठी से साझेदारी नहीं चलती। यदि वह भारत को सचमुच चीन का विकल्प बनाना चाहता है तो भरोसा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और बाजार पहुंच देनी होगी। भारत के लिए भी संदेश साफ है कि आत्मनिर्भर खनिज और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाए बिना कोई सामरिक स्वायत्तता संभव नहीं।

बहरहाल, जयशंकर की कूटनीति की खासियत यही है कि वे मुस्कान के साथ कठोर संदेश देते हैं। अब देखना यह है कि वाशिंगटन इस संकेत को कितना समझता है। अभी जो तस्वीर उभर रही है वह बताती है कि नई दिल्ली ने खेल समझ लिया है और चाल चल दी है।

संपादकीय

चुनाव से परे नई चुनौतियों का बजट

अक्सर केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर आरोप लगाया जाता है कि वह चुनाव देखकर बजट बनाती है। मगर वर्ष 2026-27 के बजट में चुनावी घोषणाएं नहीं हैं। वर्ष 2014 से सत्ता में आई भाजपा आर्थिक सुधारों की दिशा में कदम उठाती दिखती है। नए बजट में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 4.3 प्रतिशत लाने की बात कर महंगाई पर नियंत्रण के लिए कुछ नए उपायों को दशार्या गया है। सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी योजना 'वीबी-जी राम जी' के लिए 95000 करोड़ रु. और मनरेगा के लिए भी 30000 करोड़ रु. का प्रावधान किया है। आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने की सोच को आगे बढ़ाने में सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। इसी के साथ 20 नए जल मार्ग बनाने की तैयारी है। बैटरी सस्ती कर मोबाइल, ई-वाहन क्षेत्र को मदद दी है। सूर्य ऊर्जा को बढ़ावा देने के उपाय किए हैं। क्षेत्र अनुसार बड़े टेक्सटाइल पार्क, चार दक्षिणी राज्यों में खनिज कॉरिडोर, तीन केमिकल पार्क का निर्माण किया जाएगा। लघु उद्योगों को दस हजार करोड़ रु. की सहायता मिलेगी। इसके बीच ही हर बार केंद्रीय बजट में उछलता-कूदता शेयर बाजार नए कर से बड़ा झटका खा गया। उसने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भाषण खत्म होते-होते 3000 अंकों का गोता लगा दिया। अंत में सेंसेक्स 1546.84 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। पूंजी बाजार पर यह असर वायदा कारोबार पर 'सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स' (एसटीटी) बढ़ाए जाने की घोषणा के कारण नजर आया। हालांकि यह दुर्लभ संयोग ही था, जब बजट पेश होने की वजह से रविवार को शेयर बाजार खुला। सरकार का दावा है कि उसकी नीतियां औद्योगिक विकास को बढ़ाने के लिए हैं, जिसके लिए वह 350 से अधिक आर्थिक सुधार कर चुकी है। उसका मानना है कि तकनीक के माध्यम से देश में कला, डिजाइन, फैशन, फिल्म, संगीत और डिजिटल कंटेंट को वैश्विक स्तर पर विस्तार मिल रहा है। वह देश में 'क्रिएटिव इकोनॉमी' के क्षेत्र में 'पर्सनल क्रिएटिविटी', 'स्किल' और 'इंटेलेक्कुअल प्रॉपर्टी' को बढ़ावा देना चाहती है। जिसके लिए मुंबई के ह्यइंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीस' को 15 हजार सेकेंड्री स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने में मदद का प्रस्ताव दिया है। भारत में 'एनिमेशन', 'विजुअल इफेक्ट्स', 'गेमिंग' और 'कॉमिक्स सेक्टर' तेजी से बढ़ते क्षेत्र हैं, जिसमें वर्ष 2030 तक 20 लाख पेशेवर लोगों की जरूरत होगी। तकनीक के अलावा स्वास्थ्य का क्षेत्र सरकार की प्राथमिकताओं में है, जिसके लिए उसने बायो फार्मा सेक्टर को 10 हजार करोड़ देने का प्रावधान किया है। वहीं मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों के लिए 36 दवाओं को सस्ता किया है। सरकार देश में मेडिकल हब बनाना चाहती है। वह तीन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान(एम्स) बनाने की भी तैयारी में है।

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है।

लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

कांग्रेस के मुस्लिम विधायक ने उठाई गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र का आज दूसरा दिन है। सदन की कार्यवाही की शुरूआत से पहले जहां एक तरफ विपक्ष ने इंदौर भागीरथपुरा में दूषित पानी के मामले को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दोषी अफसरों पर एक्शन और मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस बीच राजधानी भोपाल की उत्तर सीट से कांग्रेस के मुस्लिम विधायक आतिफ अकील का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने गाय को राष्ट्र पशु घोषित करने की मांग की है। कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने कहा कि, गाय को लेकर अशासकीय संकल्प विधानसभा में लगाया है। हिंदू धर्म गाय को माता मानता है। उन्होंने कहा कि, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करना चाहिए। यही नहीं, गाय की मौत पर विधि विधान के साथ उसका अंतिम संस्कार भी होना चाहिए। आतिफ ने ये भी कहा कि, चमड़े का व्यापार भी बंद होना चाहिए।

अधिवक्ता की नृशंस हत्या के विरोध में जावद में एकजुटता, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर दी श्रद्धांजलि

जावद 16 फरवरी (निप्र)। शिवपुरी के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की नृशंस हत्या के विरोध में सोमवार को जावद अभिभाषक संघ के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन अभिभाषक संघ अध्यक्ष विजय जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अधिवक्ताओं पर लगातार हो रहे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लंबे समय से एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत अधिवक्ता की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष विजय जोशी, उपाध्यक्ष गोविंद सिंह सिंदल, सचिव लोकेश लोहार, वरिष्ठ अभिभाषकगण हरिप्रसाद जोशी, रामलाल पाटीदार, श्री लाल बोहरा, लक्ष्मीनारायण लोहार, देवीसिंह सिंदल, अशोक कुमार जोशी, जगदीश चंद्र शर्मा, रामेश्वर लाल ओझा, पारसमल गोखरू, अजीत कांठेड़, संजय जोशी, अरविन्द कुमार शर्मा, दिलीप सिंह चुंडावत, दिनेश कुमार नागर, राजीव शर्मा, विनोद कुमार पाटीदार, महेश चौधरी, दीपक कुमार तडबा, मोहनलाल पाटीदार, राम सिंह जाट, सत्यनारायण शर्मा, राजेन्द्र कुमार आर्य, संजय नागौरी, पंकज गांधी, आफताब अहमद, दिनेश वैध, नवीन निमावत, फजल अहमद, दयानन्द जोशी, बालकृष्ण गगरानी, सचिन गोखरू, विजय कुमार गांधी, गरिमा पाटीदार, ज्योत्सना सोनी, श्रीमती अंतिम बाला गांधी, निरंजन दशोरा, सुनील बोहरा, राजेश तिवारी, राजेन्द्र सिंह चन्द्रावत, शैलेन्द्र सिंह, महेश कुमार न्याती, ओमप्रकाश मूंदड़ा, अनुराग बांगड़, दीपक शर्मा, कोमल धाकड़, शाहरुख मंसूरी, आजाद सोनी सहित बड़ी संख्या में अन्य अभिभाषकगण उपस्थित रहे।

उच्च जोखिम वाली सभी गर्भवती महिलाओं का चिंहाकन एवं प्रबंधन सुनिश्चित करें - चंद्रा

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच 16 फरवरी (निप्र)। प्रत्येक गर्भवती महिला के सुरक्षित प्रसव की आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहे। शतप्रतिशत उच्च जोखिमपूर्ण गर्भवती महिलाओं का चिंहाकन कर उनका समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करें। यह कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर, सेक्टरवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उक्त निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जिला स्वास्थ्य समिति की सोमवार को आयोजित बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपस्थित शासकीय चिकित्सकों को दिए। बैठक में चंद्रा ने निर्देशित किया , कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रत्येक हितग्राही को उपलब्ध कराई जाए।इसके लिए महिलाओं का गर्भावस्था के प्रथम त्रैमास में पंजीयन सुनिश्चित करें। उन्होने कहा, कि हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उच्च जोखिम के लक्षणों के आधार पर महिलाओं का चिंहाकन कर, उनको आवश्यकतानुसार आयरन सुक्रोज इजेंक्शन एफसीएम इन्जेक्शन तथा ब्लड ट्रांसफ्यूजन कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उक्त रक्तचाप महिलाओं का चिंहाकन कर उसका प्रबंधन भी करे। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटील, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.आदित्य बारेड, डीएचओ डॉ. बी.एल.सिसोदिया, डॉ.रितेश बजाज, डीपीओ सुश्री अंकिता पंड्या उपस्थित थी।

बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने स्वास्थ्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सेक्टरवार समीक्षा की। तथा विगत बैठक के पश्चात कार्य में सुधार लाने वाले मेडिकल आफिसर की सराहना की गई तथा निम्न प्रदर्शन करने वाले चिकित्सकों, सीएचओ को कार्य में सुधार एवं प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अति उच्च जोखिम गर्भवती महिलओं का सीएचसी एवं सिविल हास्पिटल पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत परीक्षण आवश्यक रूप से करें।

बैठक में कलेक्टर ने सभी सेक्टर मेडिकल आफिसर को निर्देशित किया, कि जिला स्तर पर शासन के नियमानुसार सभी आवश्यक औषधियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जिले की सभी संस्थाएं अपनी मांग अनुसार आवश्यक औषधियों की मांग पत्र भेजकर दवाईयां प्राप्त कर ले। सभी संस्थाओं में आवश्यक दवाईयां अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो। साथ ही दवाईयों वैक्सीन आदि की कोल्डचेन बनी रहे यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में आयोजित किए जा रहे नैत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच शिविरों के सफल आयोजन की सराहना की ।

गोपाल मंदिर में फाग उत्सव की धूम: फगुनिया साड़ियों में सजी महिलाओं ने बिखेरा रंग, फाल्गुन के भजनों पर जमकर झूमी महिलाएं

नीमच। शहर के गोपाल मंदिर में 16 फरवरी को श्याम गोपाल महिला मण्डल नीमच द्वारा फाग उत्सव धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। दोपहर 2:30 बजे प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम शाम 6:00 बजे तक लगातार उत्साह और उमंग के साथ चलता रहा। पूरे मंदिर परिसर में भजनों की गूंज, फूलों की होली ने माहौल को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी रही। राधा कृष्ण की भूमिका में नताशा शर्मा तथा मेघा शर्मा ने भावपूर्ण प्रस्तुति देकर उपस्थित महिलाओं का मन मोह लिया। उनकी सजीव अभिनय शैली और भावभंगिमाओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

फाग महोत्सव परंपरागत रूप से फाल्गुन माह में आयोजित किया जाता है, किंतु मंडल की महिलाओं ने बताया कि फागण माह के बाद भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहते हैं, ताकि भक्ति और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रवाह बना रहे। इस उत्सव का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और धार्मिक संस्कारों को सुदृढ़ करना भी है। कार्यक्रम में महिला मण्डल की लगभग सभी सदस्याएं पारंपरिक फगुनिया साड़ी में सजी नजर आईं, जो समारोह का प्रमुख आकर्षण बनी रहीं। रंग-बिरंगी साड़ियों और पारंपरिक श्रृंगार ने पूरे वातावरण को और अधिक जीवंत बना दिया। भजन-कीर्तन, नृत्य और फूलों की होली के बीच उपस्थित महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिला जेल नीमच में भजन संध्या संपन्न

नीमच 16 फरवरी (निप्र)। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को श्री जोगणिया मित्र मंडल नीमच द्वारा जिला जेल नीमच (कनावटी) में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्री मारुति रामायण मंडल नीमच के संचालक एवं भजन गायक विनोद भैया (राठौर) ने मधुर संगीत के साथ भगवान भोलेनाथ, श्री राम, श्री कृष्ण, श्याम बाबा सहित अन्य देवी देवताओं की भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की प्रस्तुति दी।

जिससे मंत्र मुक्त होकर जेल में बंद सभी कैदी झूम उठे। कार्यक्रम की शुरुआत जेलर श्री राणा की विशेष उपस्थिति में की गई, मुख्य अतिथि श्री राणा ने मंच पर विराजमान भगवान भोलेनाथ के चित्र की पूजा अर्चना एवं आरती की। उसके बाद भजन कीर्तन का आयोजन प्रारंभ हुआ, जो देर शाम तक जारी रहा।कार्यक्रम के अंत में प्रसादी का वितरण किया गया।

बच्चों को सिखाएं काम-काज, उनकी काम में मदद करें

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें

कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें

यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं

बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और ईनाम

नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

सबके सामने तारीफ करें

जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफ करें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी, बल्कि आपका प्यार और आपका साथ उसमें नई ऊर्जा का संचार करेगा।

बढ़ती उम्र में जीवनशैली में बदलाव से नजर आयेंगी युवा

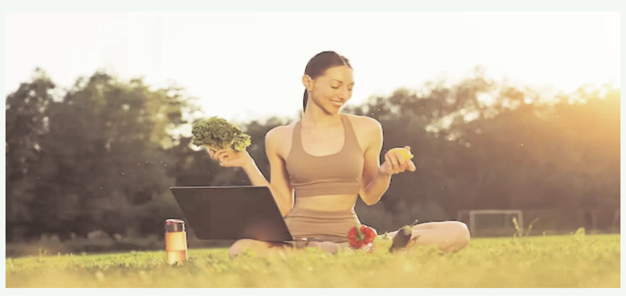

अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी खूबसूरत और युवा नजर आयें तो अपनी जीवनशैली में इस प्रकार के बदलाव करें।

नियमित व्यायाम करें

अगर आप चाहती हैं कि आपका शरीर उम्र के साथ ढीला न पड़े तो रेजिस्टेंस ट्रेनिंग आपकी रूटीन का हिस्सा होनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग आपकी बॉडी मसल्स को मेंटेन रखती है। इसके लिए हल्का वजन उठाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन की मात्रा बढ़ाएं। बेहतरीन रिजल्ट के लिए वेट ट्रेनिंग के दौरान पूरी बॉडी पर फोकस करें।

प्रोटीन का अधिक सेवन करें

प्रोटीन की कमी से शरीर में मसल लॉस हो सकता है। 50 साल के बाद आपके शरीर को पहले से ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। देखा जाए तो पर किलो वजन के हिसाब से आपके शरीर को 0.8 ग्राम वजन की जरूरत होती है।

खुद को जवान और स्वस्थ बनाए रखने के लिए तीनों बार खाने में प्रोटीन शामिल करें। सिर्फ डिनर में प्रोटीन के बजाय ब्रेकफस्ट और लंच में भी इसे शामिल करें।

विटमिन डी की मात्रा का रखें ध्यान

सनशाइन विटमिन आपके शरीर में काफी परिवर्तन ला सकता है। अगर आपके शरीर में विटमिन डी कम है तो ध्यान रखें कि सुबह सूरज की रोशनी में समय बिताएं और विटमिन डी खाने में शामिल करें।

डायट में शामिल करें ऐंटीऑक्सिडेंट्स

ग्रीन टी में पर्याप्त मात्रा में ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। इससे आपका मेटाबॉलिक रेट सही रहता है साथ ही फिजिकल परफॉर्मेंस भी सुधरता है। आप अनार खाना भी शुरू कर सकते हैं। ऐंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं जिससे आपकी त्वचा अंदर से खूबसूरत बनती है और उम्र का असर नहीं दिखता।

हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप कई बीमारियों से रहेंगे दूर

अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद

वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं!

लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है।

विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें! दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

खुश रहने के बहाने खोजें

सिर्फ अपने आपको कामनाएं वयस्त रखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है! आप कामभी करें साथ ही साथ खुश रहने के लिए अलग-अलग तरीकों को अपनाएं जैसे खेल कूद में भाग लेना, फिल्म देखना, अपने मनपसंद दोस्त से मिलना, घूमने जाना, मजाकिया आदत रखना, और मनपसंद खाना खाना आदि।

स्वस्थ रहने के लिए हाइजीन का होना बहुत जरूरी है सिर्फ अपने आप को साफ करना बहुत बड़ी बात नहीं है! आप जो समान इस्तेमाल करते हैं उसका भी साफ होना उतना ही जरुरी है और जहां पर आपका खाना पकता है उसका भी साफ होना जरूरी है।

इस प्रकार मेंहदी लगेगी खूबसूरत

मेंहदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेंहदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेंहदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेंहदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी - मेंहदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेंहदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेंहदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है। मेंहदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेंहदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

ठंडी रोटी गर्म करने का कमाल का नुस्खा जान लें, रोटियां बनी रहेंगी बिल्कुल सॉफ्ट

खाने का मजा तो गर्मगर्म ही आता है। दाल, सब्जी, रोटी, चावल हर चीज तब फ्रेश और गर्म रहती है तो स्वाद बढ़ जाता है। खासतौर पर रोटियां तो गर्म ही अच्छी लगती हैं। क्योंकि इन्हें दोबारा से गर्म करने पर अकड़ जाती है या कड़क हो जाती है। लेकिन भागदौड़ भरी लाइफ में ज्यादातर लोग रखा हुआ खाना खाते हैं। चाहे मेड खाना बनाकर जाए या खुद से खाना बनाना हो अक्सर रोटियों को सेंककर कैसरोल में बंद कर दिया जाता है। लेकिन सर्दी के दिनों जब सारी चीजें जल्दी से ठंडी हो जाती हैं तो कैसरोल में रखी रोटी पर भी असर होगा ही, रोटियां भी जल्दी से ठंडी हो जाती है। अब इन रोटियों को दोबारा से अगर गर्म किया जाए तो ये कड़क हो जाती है और अगर घी लगाकर गर्म किया जाए तो रोटियों का न्यूट्रिशन कम हो जाता है। ठंडी रोटियों को गर्म करने की ऐसी ट्रिक जान लें। जिससे तवा चढ़ाए बगैर रोटियां गर्म भी जाएं और उनकी सॉफ्टनेस भी खत्म ना हो। ऐसे में ये हैक आपकी मदद कर सकता है।

ठंडी रोटियों को गर्म करने का हैक

सर्दियों में रखी हुई रोटियों को गर्म करना है और साथ ही उसे सॉफ्ट और मुलायम बनाए रखने के लिए ये नुस्खा बड़े काम का साबित हो सकता है।

इसके लिए कैसरोल की बजाय बस किसी स्टील के टिफिन में रोटियों को सेंककर रख दें। साथ ही रोटियों को कपड़े में लपेट दें, जिससे उनका मॉइश्चर ना उड़े।

जब खाना टेबल पर लगा रही हो तो उसी वक्त स्टील के टिफिन में रखी कपड़े से ढंकी रोटियों को कुकर के अंदर रखें और ढक्कन बंद कर दें।

ध्यान रहे कि कुकर की सीटी को नहीं निकालना है। बस दो से तीन मिनट में जब भाप बन जाए तो गैस की फ्लेम को बंद कर दें। साथ ही सीटी पूरी बजनी भी नहीं चाहिए। बस भाप बन जाए, इतने में ही रोटियां अंदर तक पूरी गरम हो जाएंगी।

साथ ही ये रोटियां सॉफ्ट भी बनी रहेंगी।

अधिकतर तवे पर रोटी को दोबारा गर्म करने पर अकड़ जाती हैं। लेकिन ये हैक बिना झंझट झटपट ठंडी रोटियों को गर्म करने में मदद करेगा।

महाशिवरात्रि पर गूंजी घोष की स्वर लहरियाँ कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

अखिल भारतीय घोष दिवस : स्वर्णकार धर्मशाला से भारत माता चौराहे तक निकला भव्य संचलन, पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

नीमच (निप्र)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शहर में भक्ति और राष्ट्रवाद का अनूठा संगम देखने को मिला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 'अखिल भारतीय घोष दिवस' उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने घोष की सुमधुर लहरियों के साथ शहर के मुख्य मार्गों से भव्य संचलन निकाला, जो नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इन मार्गों से गुजरा कारवां - घोष संचलन स्वर्णकार धर्मशाला से प्रारंभ होकर फ्रूट मंडी चौराहा, फव्वारा चौक, बारादरी, घंटाघर और पुस्तक बाजार जैसे प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों से होकर गुजरा। संचालन का समापन भारत माता चौराहा पर हुआ। मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख शिवालयों और मंदिरों के बाहर स्वयंसेवक कुछ समय के लिए रुके और विशेष घोष रचनाओं का वादन कर भगवान भोलेनाथ को स्वरांजलि अर्पित की।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत - महाशिवरात्रि और घोष दिवस के इस संयोग को देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। शहरवासियों ने पलक-पावड़े बिछाकर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। कई स्थानों पर मंच बनाकर पुष्प वर्षा की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान संघ का चिरपरिचित अनुशासन और स्वयंसेवकों का उत्साह देखते ही बन रहा था, जिससे पूरा शहर धर्ममय और सांस्कृतिक रंग में सराबोर नजर आया।

धर्मशाला से हुआ शंखनाद

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सब्जी मंडी स्थित स्वर्णकार धर्मशाला से हुआ। यहाँ बड़ी संख्या में गणवेशधारी स्वयंसेवक एकत्रित हुए। परंपरा के अनुसार पूजन के पश्चात घोष वादन के साथ संचालन प्रारंभ हुआ। ढोल, वंशी और नगाड़ों की थाप पर स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर अनुशासित ढंग से मार्च किया।

हनुमानजी मंदिर के बाहर मिली हड्डियां

फैला आक्रोश : हिंदू समाज ने थाने पहुंचकर की सख्त कार्रवाई की मांग

जावद, निप्र। नगर के आदर्श मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 6 स्थित हनुमान जी मंदिर के बाहर हड्डियां मिलने की घटना से मोहल्लेवासियों एवं हिंदू समाज में भारी आक्रोश है। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर जैसी पवित्र जगह के आसपास इस प्रकार की आपत्तिजनक वस्तुएं मिलना न केवल आस्था को ठेस पहुंचाता है, बल्कि धार्मिक भावनाओं को भी आहत करता है। बालाजी भक्तों ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे मंदिर के बाहर हड्डियां पड़ी दिखाई दीं। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में भक्त व हिंदू संगठनों के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग

घटना के विरोध में हिंदू समाज के लोग जावद थाने पहुंचे और थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। लोगों ने आशंका जताई कि यह कृत्य किसी असामाजिक तत्व द्वारा जानबूझकर किया गया हो सकता है। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं नगर की शांति और सौहार्द के लिए गंभीर खतरा हैं। नगरवासियों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर दोषियों को दंडित करने की मांग की है, ताकि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनी रहे और नगर में शांति एवं सौहार्द कायम रह सके।

कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे प्रदर्शन - निरंजन गोयल, अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, जावद ने कहा कि इस प्रकार की घटना जावद के सौहार्दपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास है। यदि शीघ्र दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

इनका कहना है...

मौके का निरीक्षण किया गया है, आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच जारी है। निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- विकास पटेल,
थाना प्रभारी, जावद

निंदनीय है यह कृत्य - सत्यनारायण शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि, वार्ड क्रमांक 6 ने कहा कि महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर असामाजिक तत्वों द्वारा धार्मिक भावनाओं को भड़काने का यह कृत्य निंदनीय है। प्रशासन को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नीमच में भीषण सड़क हादसा बेकाबू ट्राला पेड़ से टकराया, केबिन में फंसा रहा चालक

जेतपुरा फंटे के पास डिवाइडर कूदकर दूसरी ओर घुसा वाहन, जेसीबी की मदद से आधे घंटे में निकाला गया बाहर

नीमच। महू-नसीराबाद हाईवे पर रविवार को जेतपुरा फंटे के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। नासिक से स्कॉर्पियो गाड़ियां लेकर जयपुर की ओर जा रहा एक ट्रक (ट्रोला) अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सड़क की दूसरी ओर जा घुसा और एक पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और चालक केबिन में ही फंस गया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत और जेसीबी की मदद से उसे बाहर निकाला जा सका।

आगे चल रहे वाहन ने अचानक मारे ब्रेक - हादसे में घायल चालक रमेश (30) पुत्र राम कुंवार गुर्जर, निवासी टोंक (राजस्थान) ने बताया कि वह ट्रक में नई गाड़ियां लोड कर जयपुर जा रहा था। इसी दौरान जेतपुरा फंटे के पास आगे चल रहे एक वाहन चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। उसे बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर फांदकर दूसरी तरफ पेड़ से जा टकराया।

जेसीबी से सीधा कर निकाला बाहर - घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के ईएमटी राहुल पाटीदार और पायलट दशरथ व्यास मौके पर पहुंचे। ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण चालक उसमें बुरी तरह फंस चुका था। पुलिस और स्थानीय लोगों ने तत्काल जेसीबी मशीन बुलाई। जेसीबी की मदद से ट्रक के मलबे को खींचकर और वाहन को सीधा कर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस प्रक्रिया में करीब 30 मिनट का समय लगा।

जिला अस्पताल में उपचार जारी - हादसे में रमेश गुर्जर का एक हाथ हथेली के पास से बुरी तरह कुचल गया है और पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं। 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कर भर्ती किया गया है।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, खुलवाया जाम - हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया और नीमच सिटी थाना प्रभारी पुष्पा चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने भीड़ को हटाकर क्रेन की मदद से वाहन को किनारे करवाया और यातायात सुचारु किया। पुलिस ने बताया कि ट्रक मालिक और चालक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

बघाना में 14.69 करोड़ की सीवरेज परियोजना का हुआ भूमिपूजन

अमृत 2.0 योजना अंतर्गत होगा विकास, ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी से हुआ स्वागत

नीमच। नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर बघाना क्षेत्र को सीवरेज की सौगात दी गई। अमृत 2.0 योजना अंतर्गत 14 करोड़ 69 लाख रुपए की लागत से होने वाले सीवरेज कार्य का भूमिपूजन सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक दिलीप सिंह परिहार, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल व नपाध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा सहित अन्य अतिथियों ने किया। कार्यक्रम बघाना के अहीर व्यायाम शाला के बाहर आयोजित हुआ, जहां अतिथियों का स्वागत ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी व पुष्प वर्षा से किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारत माता व सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह राणावत, सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया, वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चोपड़ा, सांसद प्रतिनिधि आलोक मालू, नपा सभापति नीरज अहीर, निलेश पाटीदार, सत्यनारायण गोयल व पार्षद श्रीमती किरण शर्मा मंचासीन रहे। सांसद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन गुप्ता के नेतृत्व में देश व प्रदेश विकास की दिशा में अग्रसर हैं। सीवरेज योजना से शहरों व गांवों में स्वच्छता बढ़ेगी और नदियों में प्रदूषण रुकेगा। विधायक परिहार ने कहा कि बघाना क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और अब उपनगर नहीं बल्कि मुख्य नगर के रूप में पहचान बना रहा है। नपाध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि लगभग साढ़े 14 किलोमीटर लंबी लाइन डाली जाएगी तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण होगा। उन्होंने शहर में हुए अन्य विकास कार्यों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का संचालन स्वच्छता एंबेसडर विजय बाफना ने किया तथा आभार प्रदर्शन सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया ने माना। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

युवक के घर लौटते समय हुआ हादसा, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

नीमच 16 फरवरी (निप्र)। जिले के मनासा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जमुनिया रावजी और मालखेड़ा गांव के बीच अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

घर लौटते समय हुआ हादसा - मृतक की पहचान मालखेड़ा निवासी आनंद (19), पिता दुले सिंह बंजारा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आनंद बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान जमुनिया रावजी और मालखेड़ा के बीच किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शुरू की जांच - पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की पहचान की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही वाहन का पता लगाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।